E Learning Study Material

By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR

BA PART THREE ECONOMICS HONS
PAPER SIX

Tariff Policies after 1930 In USA

सन 1934 में पारित पारस्परिक व्यापार करार अधिनियम के अनुसार राष्ट्रपति को पारस्परिक प्रशुल्क न्यूनीकरण के आधार पर विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापारिक करार करने के लिए शक्तियाँ दी गयी। इस प्रकार कुछ सीमा तक प्रशुल्क नीति को परिवर्तित कर दिया गया दूसरे शब्दों में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने का प्रयास किया गया और सामान्य प्रवृत्ति उच्च प्रशुल्क की ओर ही बनी रही।

यह प्रवृत्ति आज भी विद्यमान है यद्यपि समय समय पर कुछ संशोधनों के साथ। 1950 के दशक में विश्व के अनेक देशों द्वारा अनुभव की गयी डालर अभाव की समस्या अमेरिका की उच्च प्रशुल्क नीति के कारण ही उत्पन्न हुई थी। 1953 में रैन्डेल समिति ने अपने प्रतिवेदन में सुझाव दिया

था कि राष्ट्रपति को तीन वर्षों के लिए सभी प्रकार के प्रशुल्क में 5 प्रतिशत की कटौती करने की शक्ति दी जानी चाहिए साथ ही उसे प्रशुल्क में यथा मूल्य (Ad valorem) 50 प्रतिशत की कमी करने का अधिकार भी दिया जाना चाहिए। 1955 में पारित व्यापार करार (विस्तार) अधिनियम के अनुसार इस सम्बन्ध में राष्ट्रपति को शक्तियाँ दी गयी। राष्ट्रपति कैनेडी ने प्रशुल्क में कमी करने का प्रयास

किया था। इसलिए 1962 का व्यापार विस्तार अधिनियम पारित किया गया। किन्तु प्रतिकूल भुगतान संतुलन का सामना करने के लिए राष्ट्रपति निक्सन ने 1971 में प्रशुल्क में वृद्धि कर दी। अतः हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि वर्तमान समय में अमेरिका में प्रशुल्क की सामान्य प्रवृत्ति संरक्षण की ओर है।

अमेरिकी प्रशुल्क नीति का मूल्यांकन-

अमेरिका के औद्योगिक विकास में सरकार की प्रशुल्क नीति का बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है कुछ अपवादों के साथ स्वतंत्रता प्राप्ति के समय से लेकर अब तक संयुक्त राज्य के उद्योगों को उच्च प्रशुल्क का संरक्षण प्राप्त होता रहा है। प्रशुल्क दो प्रकार के कार्यों का संपादन करता है — संरक्षणात्मक तथा राजस्व आय सम्बन्धी संयुक्त राज्य अमेरिका के संपूर्ण आर्थिक इतिहास

में ये दोनों कार्य एक दूसरे से मिले जुले रहे हैं। फिर भी 1860 के पूर्व तक प्रशुल्क का प्रमुख उद्देश्य राजस्व आय प्राप्ति का रहा था। इसके बाद इसका स्वरूप संरक्षणात्मक हो गया। जो निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है-

वर्ष	प्रशुल्क कुल संघीय आय के प्रतिशत में
1791	98
1860	96
1865	25
1900	42
1940	6
1963	1

अतः स्पष्ट है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में औद्योगिक विकास की प्रक्रिया में उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी की गयी है। अमेरिकी प्रशुल्क नीति वर्षों से राजनीति के उथल पुथल से प्रभावित रही है और अमेरिका के दोनों राजनीतिक दल इसे अपनी नीति के अनुसार घटाते बढ़ाते रहे हैं। परिणाम स्वरूप अमेरिका की प्रशुल्क नीति में एक प्रकार की तारतम्यता का अभाव रहा है। दूसरे शब्दों में, अमेरिका की प्रशुल्क नीति समय-समय पर देश की राजनीतिक स्थिति तथा सरकार में बदलाव के प्रभाव को दर्शाती है।